BUDHA DAL PUBLIC SCHOOL PATIALA
PRE BOARD EXAMINATION (8 December 2025)
HINDI COURSE - B
Class – X (Set – A)

Time allowed : 3 hours **Maximum Marks : 80**

सामान्य निर्देश

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं – क, ख, ग और घ।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रश्न-पत्र में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
4. प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड 'क' (अपठित बोध) *(14 अंक)*

इस खंड में अपठित गद्यांश से संबंधित तीन बहुविकल्पीय (1 × 3 = 3) और दो अतिलघूत्तरात्मक व लघूत्तरात्मक (2 × 2 = 4) प्रश्न दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए (7)

चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहरा है। धर्म-शासन, राज-शासन, मत-शासन सब ने इनसे पूरा काम लिया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक-कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं, उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी सब प्रकार के शासन में चाहे, धर्म-शासन हो, चाहे राज-शासन हो, मनुष्य-जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है।

दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज-शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म-शासन और मत-शासन चलते आ रहे हैं। प्राय: इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं, उसी प्रकार धर्म-प्रवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शांति के लिए भी डराते और ललचाते आए हैं। मत-प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत-प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

(क) लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा आधारित है (1)
- *(i)* सामाजिक न्याय पर
- *(ii)* मनुष्य के भावों के विशेष प्रकार के संगठन पर
- *(iii)* धर्म व्यवस्था के मत पर
- *(iv)* मनुष्य की समुचित क्रिया कर्म पर

(ख) धर्म प्रवर्तकों ने स्वर्ग-नरक का भय और लोभ क्यों दिखाया है? (1)
- *(i)* धर्म के मार्ग पर चलने के लिए
- *(ii)* अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए
- *(iii)* अन्याय के पथ पर चल रहे लोगों को सही मार्ग दिखाने के लिए
- *(iv)* उपर्युक्त सभी

(ग) **कथन** (A) शासन व्यवस्था भय और लालच का सहारा लेती है। (1)
कारण (R) शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शांति के लिए प्रयास करते हैं।
- *(i)* कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
- *(ii)* कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- *(iii)* कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
- *(iv)* कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(घ) किसी जाति विशेष के कौन-से कार्यों को अन्य जाति अनिष्ट कार्य मानती है? (2)

(ङ) गद्यांश के आधार पर भय और लालच की अवधारणा स्पष्ट करें। (2)

Scanned with OKEN Scanner

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए (7)

युगों-युगों से मानव इस धरती पर आसरा लिए हुए है। प्रत्येक युग प्रतिक्षण परिवर्तित हुआ है, इसलिए कहा गया है कि समय परिवर्तनशील है, जो आज हमारे साथ नहीं है, कल हमारे साथ होंगे और हम अपने दुःख और असफलता से मुक्ति पा लेंगे, यह विचार ही हमें सहजता प्रदान कर सकता है। हम दूसरे की संपन्नता, ऊँचा पद और भौतिक साधनों की उपलब्धता देखकर विचलित हो जाते हैं कि यह उसके पास तो है, किंतु हमारे पास नहीं है, वह हमारे विचारों की गरीबी का प्रमाण है और यही बात अंदर विकट असहज भाव का संचालन करती है।

जीवन में सहजता का भाव न होने के कारण से अधिकतर लोग हमेशा ही असफल होते हैं। सहज भाव लाने के लिए हमें नियमित रूप से योगासन-प्राणायाम और ध्यान करने के साथ-साथ ईश्वर का स्मरण अवश्य करना चाहिए। इससे हमारे तन-मन और विचारों के विकार बाहर निकलते हैं और तभी हम सहजता के भाव का अनुभव कर सकते हैं। याद रखने की बात है कि हमारे विकार ही हमारे अंदर असहजता का भाव उत्पन्न करते हैं। ईर्ष्या-द्वेष और परनिंदा जैसे गुण हम अनजाने में ही अपना लेते हैं और अंततः जीवन में हर पल असहज होते हैं। उससे बचने के लिए आवश्यक है कि हम अध्यात्म के प्रति अपने मन और विचारों का रुझान रखें।

(क) मनुष्य का वैचारिक गरीबी से क्या तात्पर्य है? (1)

(i) दूसरों की संपन्नता से विचलित होना
(ii) दूसरों के ऊँचे पद से विचलित होना
(iii) *(i)* और *(ii)* दोनों
(iv) योगासन से विचलित होना

(ख) 'हमें नियमित रूप से योगासन, प्राणायाम और ध्यान करने के साथ-साथ ईश्वर का स्मरण अवश्य करना चाहिए।' पंक्ति के माध्यम से लेखक जीवन में क्या लाने की प्रेरणा दे रहा है? (1)

1. सहज भाव
2. असहज भाव
3. ईर्ष्या भाव
4. द्वेष भाव

कूट

(i) केवल 1
(ii) केवल 2
(iii) 1 और 3
(iv) 2 और 4

(ग) **कथन** असहजता को समाप्त करने के लिए विकारों से मुक्त होना आवश्यक है।
कारण विकारों से भरे हुए विचार असहजता उत्पन्न करते हैं। (1)

(i) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(ii) कथन और कारण दोनों सही हैं।
(iii) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(iv) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।

(घ) गद्यांश के अनुसार हम कब और क्यों विचलित हो जाते हैं? (2)

(ङ) गद्यांश से हमें क्या सीख मिलती है? (2)

खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण) *(16 अंक)*

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर अतिलघूत्तरात्मक व लघूत्तरात्मक 20 प्रश्न दिए गए हैं, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों (1×16 = 16) के उत्तर देने हैं।

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

(क) 'ग्वालियर से मुंबई की दूरी ने काफी कुछ बदल दिया है।' (रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।) (1)

(ख) 'फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया।' (वाक्य में संज्ञा पदबंध को रेखांकित कीजिए।) (1)

(ग) उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया। (रेखांकित पदबंध के भेद का नाम बताइए।) (1)

(घ) 'शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं।' (वाक्य में विशेषण पदबंध है।) (1)

(ङ) 'आग और पानी के देवता भी उसके दास थे, मगर उसका अंत क्या हुआ?' (वाक्य में संज्ञा पदबंध को छाँटिए।) (1)

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (1×4=4)

(क) 'फिर तेज़ कदमों से चलती हुई तताँरा के सामने आकर ठिठक गई।' (प्रस्तुत वाक्य को संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।) (1)

(ख) 'दो सौ आदमियों का जुलूस लाल बाजार गया और गिरफ्तार हो गया।' (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए।) (1)

(ग) 'मैं मंदिर भी जाऊँगा और भजन भी सुनूँगा।' (प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।) (1)

(घ) 'रीति के अनुसार, यह आवश्यक था कि दोनों एक ही गाँव के हों।' (वाक्य को सरल वाक्य में परिवर्तित कीजिए।) (1)

(ङ) 'हम अकेले पड़ने पर अपने आप से लगातार बड़बड़ाते रहते हैं।' (प्रस्तुत वाक्य को मिश्रित वाक्य में रूपांतरित कीजिए।) (1)

Scanned with OKEN Scanner

5. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

(क) 'जन्मभूमि' समस्तपद कौन-से समास का उदाहरण है? (1)

(ख) 'उनके विचारों में ज्ञान के उदय की झलक थी।' (इस वाक्य में रेखांकित पदों की जगह उपयुक्त समस्त पद लिखिए) (1)

(ग) द्विगु समास का एक उदाहरण दीजिए। (1)

(घ) 'जीवन-मरण' समस्त पद किस समास का उदाहरण है और कैसे? (1)

(ङ) 'चंद्रशेखर' का समास-विग्रह क्या होगा तथा इसमें कौन-सा समास प्रयुक्त है? (1)

6. निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

(क) रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए।
समुद्री तूफान और विपदा के सामने भी ततौंरा के कदम .....। (1)

(ख) फिल्म की लागत बढ़ते देख वितरकों के हाथ पाँव .....। उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। (1)

(ग) 'निपट मूर्ख' अर्थ के लिए मुहावरा लिखिए। (1)

(घ) 'इस बार अच्छे नंबर क्या आ गए, छोटे भाई का तो सिर ही फिर गया था।' इस वाक्य से मुहावरा छाँटकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(ङ) 'अँधेरे घर का उजाला' मुहावरे का अर्थ बताकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

खंड 'ग' (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक) *(28 अंक)*

इस खंड में पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। (1×5=5)

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरू हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से। संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है। मानव का धरती पर अधिकार जमाने के कारण संसार छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट गया है। बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है।

(क) "मानव का धरती पर अधिकार जमाने के कारण संसार छोटे-छोटे टुकड़ों में बँट गया है।" लेखक द्वारा ऐसा कहा जाना मानव के किस स्वभाव को दर्शाता है? (1)

(i) उसके स्वार्थभाव को दर्शाता है।
(ii) मैत्रीभाव को दर्शाता है।
(iii) उसके व्यक्तित्व की ओर संकेत करता है।
(iv) कर्त्तव्यबोध का बोध कराता है।

(ख) 'धरती किसी एक की नहीं है', लेखक ने ऐसा कहा, क्योंकि उसके अनुसार (1)

1. इस पर केवल मनुष्य का अधिकार है।
2. सभी जीव एक समान नहीं हैं।
3. धर्म ग्रंथ में इस बात का वर्णन किया गया है।
4. इस पर प्रत्येक जीव का समान अधिकार है।

कूट

(i) केवल 1
(ii) केवल 2
(iii) 2 और 3
(iv) केवल 4

(ग) "पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।" इस कथन के माध्यम से आधुनिक मानव की कौन-सी विशेषताएँ स्पष्ट होती हैं? (1)

(i) कर्त्तव्यनिष्ठ, परिश्रमी, आध्यात्मिक
(ii) समाज-सुधारक, कर्मयोगी, संवेदनशील
(iii) आदर्शवादी, स्वार्थी, दृढ़निश्चयी
(iv) स्वार्थी, मौकापरस्त, असंवेदनशील

(घ) लेखक का 'आबादियों के समंदर को पीछे सरकाने' से क्या अभिप्राय है? (1)

(i) समंदर को सुखाकर उसकी धरती का उपयोग करना
(ii) समंदर के पानी का स्तर कम करना
(iii) मनुष्य द्वारा समंदर में घर बनाया जाना
(iv) इनमें से कोई नहीं

(ङ) **कथन** (A) आज संसार टुकड़ों में बँटकर रह गया है।
कारण (R) मानव की आँखों पर स्वार्थ और आधुनिकता का पर्दा पड़ चुका है। (1)

(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

Scanned with OKEN Scanner

8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए (2×3 = 6)

(क) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में कौन-से और किसके द्वारा लागू किए गए कानून को भंग करने की बात कही गई है? क्या कानून भंग करना उचित था? अपने विचार प्रकट कीजिए। (2)

(ख) बड़े भाई साहब छोटे भाई के चुप होने का क्या अर्थ निकालते थे? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर यह कैसे सिद्ध होता है कि हमें आदर्शवादी होने के साथ-साथ व्यावहारिक होना भी ज़रूरी है? (2)

(घ) कर्नल कालिंज के हक्का-बक्का हो जाने का क्या कारण था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर बताइए। (2)

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए (1×5=5)

खींच दो अपने खूँ से जमीं पर लकीर
इस तरफ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

(क) कवि ने देशवासियों और सैनिकों को आत्मबलिदान से प्रेरणा लेकर देश की रक्षा के लिए सदा तैयार रहने का संदेश दिया है। इससे ज्ञात होता है कि कवि (1)

(i) स्वामी भक्ति के पक्षधर हैं। *(ii)* देशभक्ति के पक्षधर हैं।*(iii)* ईशनिंदा के पक्षधर हैं। *(iv)* क्रमान्वय के पक्षधर हैं।

(ख) 'खूँ से जमीं पर लकीर खींचने' का क्या आशय है? (1)

(i) दुश्मन पर हमला करना
(ii) सीमाओं पर रक्तपात करना
(iii) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना
(iv) मातृभूमि की रक्षा के लिए तत्पर रहना

(ग) 'सीता का दामन' किसे कहा गया है? (1)

(i) भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को
(ii) देवी-देवताओं की मर्यादा को
(iii) देश के स्वाभिमान को
(iv) जन्मभूमि के सम्मान को

(घ) 'राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियों' कथन से कवि का संकेत किस ओर है? (1)

(i) तुम्हें राम भी बनना है और लक्ष्मण भी
(ii) तुम्हें नारी के सम्मान की रक्षा भी करनी है और मर्यादा की भी
(iii) तुम्हें युद्ध भी करना है और रक्षा भी
(iv) तुम्हें भारतीयता को भी बचाना है और सीमाओं को भी

(ङ) **कथन** (A) सैनिकों को शत्रुओं के हाथों को काट देने की सलाह दी गई है।
कारण (R) शत्रुओं को भारत माता के सम्मान को ठेस पहुँचाने से रोकना है। (1)

(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए (2×3=6)

(क) 'मनुष्यता' कविता में कवि ने मनुष्य को मृत्यु से भयभीत न होने की प्रेरणा क्यों दी है? कौन-से व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाते हैं? (2)

(ख) "पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में बादलों के उठने और वर्षा होने का चित्रण किस प्रकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुःखी कौन? यहाँ 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतीक हैं? कबीर की 'साखी' के आधार पर बताइए। (2)

(घ) 'विपदाओं से मुझे बचाओ, यही मेरी प्रार्थना नहीं।' कविता में उद्धृत इन पंक्तियों का प्रतीकार्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

11. पूरक पाठ्यपुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए (3×2=6)

(क) "साधु के बाने में महंत, पुजारी और उनके अन्य सहयोगी लोभी-लालची और कुकर्मी है।" 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर हरिहर काका के साथ ठाकुरबारी के महंत और साधुओं के व्यवहार के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजए। (3)

(ख) "कभी-कभी हमें भी महसूस होता कि हम भी फौजी जवानों से कम नहीं।" लेखक को ऐसा क्यों महसूस होता था? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (3)

(ग) टोपी ने अपने भाई मुन्नी बाबू के विषय में कौन-सा रहस्य छिपाकर रखा था और क्यों? 'टोपी शुक्ला' कहानी के आधार पर बताइए। (3)

Scanned with OKEN Scanner

खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन) (22 अंक)

इस खंड में रचनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके निर्धारित अंक प्रश्न के सामने अंकित हैं।

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5)

(क) **स्वच्छ भारत अभियान**

संकेत बिंदु
- स्वच्छ भारत अभियान क्या है?
- स्वच्छ भारत अभियान का उद्देश्य
- स्वच्छ भारत अभियान का लाभ

(ख) **ट्रैफिक जाम में फँसा मैं**

संकेत बिंदु
- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाज़ी और व्यवस्था की कमी
- सुधार के उपाय
- अनुभव से सीख

(ग) **विज्ञापनों से भरी दुनिया**

संकेत बिंदु
- विज्ञापन का युग
- विज्ञापन का प्रभाव
- विज्ञापन के लाभ
- विज्ञापन की हानियाँ

13 आपके मोहल्ले की सड़कें बहुत टूटी-फूटी व कूड़े आदि की गंदगी से भरी रहती हैं। किसी प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को एक पत्र लिखकर सड़कों की मरम्मत व सफ़ाई की ओर नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कीजिए। (5)

अथवा

आप पिछले दो दिनों से विद्यालय में निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं हो पा रहे थे। प्रधानाचार्य को विद्यालय में विलंब से पहुँचने का कारण बताते हुए क्षमादान के लिए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

14. आप पंकज मिश्रा, कक्षा-10वीं 'डी' के विद्यार्थी है। अपना परिचय-पत्र खो जाने की ज़ानकारी देते हुए एक सूचना 60 शब्दों में तैयार कीजिए। (4)

अथवा

आपको 'विद्यार्थी परिषद्' के सचिव की ओर से स्काउट/गाइड कैंप के आयोजन हेतु विद्यार्थी परिषद् के सभी सदस्यों की बैठक के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

15. सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (3)

अथवा

सूती वस्त्र तैयार करने वाली कंपनी 'क-ख-ग पैरहन' की ओर से दी जा रही छूट का उल्लेख करते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

16. आप विद्यालय की साहित्य परिषद् के सचिव हैं। आप अपने विद्यालय में अंतर्विद्यालय युवा कवि-सम्मेलन कराना चाहते हैं। इस आयोजन के लिए आपको विद्यालय की ओर से कुछ सुविधाएँ भी चाहिए। उनका उल्लेख करते हुए सम्मेलन के आयोजन की अनुमति प्राप्त करने हेतु अपने प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। (5)

अथवा

'मेरे मित्र के बड़े भाई ने एल. एल. बी. की परीक्षा पास की ..... आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण ..... आरंभ कर दी और साथ-साथ प्रतियोगी ..... करने लगे। नियमित अध्ययन और मेहनत के बाद ..... स्वयं पर विश्वास ..... अंत में मेहनत का फल मिला।' वाक्यों से प्रारम्भ हुई लघुकथा को 100 शब्दों में पूरा कीजिए।

Scanned with OKEN Scanner